दुनिया का सबसे बड़ा मरीन पार्क अंटार्कटिका में

दुनिया का सबसे बड़ा मरीन पार्क अंटार्कटिका में

जलवायु परिवर्तन और अवैध शिकार के चलते जलीय जीवों के अस्तित्व पर खतरा मंडराने लगा है। जलीय जीवों का संरक्षण सुनिश्चित करने के लिये 24 देश और यूरोपीय संघ अंटार्कटिका के रॉस सागर में दुनिया का सबसे बड़ा मरीन पार्क बनाने जा रहे हैं। कमीशन फॉर द कंजर्वेशन ऑफ अंटार्कटिक मरीन लिविंग रिसोर्सेस (CCAMLR) की बैठक में यह अहम फैसला लिया गया है।

बड़े फायदे

- मछली पकड़ने की बड़ी इकाइयाँ अंटार्कटिका के संवेदनशील इलाकों से दूर होंगी।
- मछलियों के अवैध शिकार पर रोक लगेगी।

रिसर्च के लिये व्यवस्था

3.22 लाख वर्ग किमी. में बनेगा क्रिल रिसर्च ज़ोन, यहाँ रिसर्च के लिये क्रिल मछली पकड़ी जा सकेगी।

1.10 लाख वर्ग किमी. में स्पेशल रिसर्च ज़ोन बनेगा, यहाँ क्रिल व टूथफिश मछलियाँ रिसर्च के लिये पकड़ी जा सकेंगी।

अभियान का असर

अंतर्राष्ट्रीय संस्था आवाज़ फाउण्डेशन ने दक्षिणी महासागर में मरीन पार्क बनाने के लिये जो अभियान चलाया था, उसे दुनिया भर में दो करोड़ लोगों का समर्थन मिला।

रॉस सागर

- वैज्ञानिकों का मानना है कि रॉस सागर धरती का आखिरी मरीन इकोसिस्टम है।
- जलवायु परिवर्तन पर शोध करने के लिये यह आदर्श प्रयोगशाला जैसा है।

अहम है दक्षिणी महासागर

- यहाँ से अन्य महासागरों में जीवन के लिये ज़रूरी पोषक तत्त्वों का तीन-चौथाई भाग मिलता है।
- यहाँ सबसे ज़्यादा पेंग्विन और व्हेल पाई जाती हैं।

भारत भी शामिल

इस संधि पर भारत ने भी अपनी सहमति जताई है। साथ ही अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, ब्राज़ील, चिली, चीन, फ्राँस, जर्मनी, इटली, जापान, दक्षिण कोरिया, नामीबिया, न्यूज़ीलैंड, नॉर्वे, पोलैंड, रूस, दक्षिण अफ्रीका, स्पेन, स्वीडन, यूक्रेन, ब्रिटेन, अमेरिका, उरुग्वे इसमें शामिल हैं।

आगे बड़ा लक्ष्य है

अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ ने महासागरों के 30 फीसद क्षेत्र के संरक्षण का लक्ष्य रखा है।

विशालकाय

यूरोपीय संघ और **24** अन्य देश जो मिलकर यह पार्क बनाएंगे।

15.5 लाख वर्ग किमी. पार्क के लिये संरक्षित किया जाने वाला क्षेत्रफल।

11 लाख वर्ग किमी. इस भाग पर किसी देश का स्वामित्व नहीं।

1 दिसंबर 2017: पार्क बनाने के लिये अनुबंध लागू होगा।

35 साल: वाणिज्यिक मत्स्य उत्पादन पर प्रतिबंध

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/world-largest-marine-park-in-antarctica